<u>लोक सभा</u>

<u>तारांकित प्रश्ना संख्याह*374</u>

20 अप्रैल, 2015 को उत्तसर के लिए

'पॉस्को' इस्पात संयंत्र

*374. श्रीमती रक्षाताई खाडसे:

डॉ कुलमणि सामल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) का बोकारो सहित देश के विभिन्न भागों में दक्षिण कोरिया की प्रमुख इस्पात कंपनी 'पॉस्को' के साथ मिलकर नए इस्पात संयंत्र स्थापित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी स्थल-वार ब्यौरा और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या 'पॉस्को' ने ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में बृहत् इस्पात संयंत्र की स्थापना के लिए समझौता-ज्ञापन का नवीकरण किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संयंत्र की स्थापना में विलंब के क्या कारण हैं?

<u>उत्त)र</u>

<u>इस्पाोतऔर खान मंत्री</u> **<u>श्री नरेन्द्र सिंह तोमर</u>**

(क) से (घ) : एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

....

"पॉस्कोर इस्पा(त संयंत्र' के बारे में श्रीमती रक्षाताई खाड़से और डॉ. कुलमणि सामल, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा में दिनांक 20 अप्रैल, 2015 के लिए पूछे गये तारांकित प्रश्नद सं.*374 के भाग (क) से (घ) के उत्त र में निर्दिष्टप विवरण

(क) और (ख): सेल और पॉस्कों ने एकीकृत इस्पा्त संयंत्र की स्थाडपना समेत संभावित सहयोगात्म क अवसरों पर हाल ही में विचार-विमर्श किया है। विचार-विमर्श प्रारम्भिक अवस्था में है।

(ग): ओड़िशा के जगतसिंहपुर जिले मे मेगा इस्पायत संयंत्र की स्थापपना के लिए पॉस्कोन के समझौता ज्ञापन (एमओयू) का राज्या सरकार द्वारा अभी तक नवीनीकरण नहीं किया गया है।

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

*****